(ग) क्या राजकोट और भावनगर मंडल के अंतर्गत सभी रेल लाइनों का अभी तक विद्युतीकरण हुआ ही नहीं है जिसके परिणामस्वरूप इन मंडलों में लम्बी दूरियों की रेल लाइनों को जोड़ा ही नहीं जा सका है;

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सरकार ने इस वर्ष के रेल बजट में कोई विशेष प्रावधान किया है; और

(ङ) परियोजनावार रेल लाइनों के विद्युतीकरण के लम्बित कार्य को कब तक पूरा कर लिये जाने की संभावना है?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज): (क) और (ख) गुजरात में 1881 मार्ग किलो मीटर के बड़े आमान के रेलपथ में से 31.3.96 को 651 मार्ग कि॰ मी॰ का विद्युतीकरण कर दिया गया है, फिलहाल शेष रेलपथ को किसी अनुमोदित कार्य में शामिल नहीं किया गया है.

(ग) से (ङ) विद्युतीकरण परियोजना अत्याधिक पूंजी वाली परियोजना है और उन बड़े आमान के मार्गों, जहां पर यातायात का घनत्व अधिक होता है और निवेश पर प्रतिफल निर्धारित न्यूनतम दर से कम न हो के विद्युतीकरण पर विचार पर किया जाता है, राजकोट और भावनगर मंडलों की रेल लाइनों का फिलहाल विद्युतीकरण के लिए औचित्य नहीं है.

वनरोपण के लिये धन का आवंटन

3275. **श्री रामजीलाल**: क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वनों के लिये कितनी धनराशि का आवंटन किया गया;

(ख) कुल कितने पेड़ लगाये गये और उनमें से कितने पेड़ टिके रहे;

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान हरियाणा को कितनी धनराशि प्राप्त हुई; और

(घ) वहां पर कितने वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया और वास्तव में कितने वृक्ष लगाये गये?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान केन्द्रीय और राज्य योजनाओं के तहत वानिकी और वन्यजीव सेक्टर के लिए 4081.87 करोड़ रूपये की कुल राशि आवंटित की गई थी।

(ख) इस अवधि के दौरान 60,47,842,68 हैक्टेयर सार्वजनिक और निजी दोनों प्रकार की भूमि वृक्षारोपण के लिए कवर की गई। उगाए गए पेड़ों की उत्तरजीविता दर एक दूसरे जिले से जिले में भिन्न भिन्न है और लगभग 50 से 60% के अनुपात में है।

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान हरियाणा राज्य को वानिकी और वन्यजीव सेक्टर के लिए राज्य योजना के तहत 117.70 करोड़ रूपए की राशि आवंटित की गई थी।

(घ) योजना अवधि में 2,28,250 हैं. भूमि का लक्ष्य वृक्षारोपण के लिए कवर करना नियत किया गया था जिसके बदले में अब तक 1.66.096.5 हैक्टेयर भूमि वृक्षारोपण के तहत कवर की गई है।

Water Problem in Kendriya Vidyalayas

3276. SHRI N. GIRI PRASAD: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in most of Kendriya Vidyalaya in Delhi, unhygienic drinking water is being provided for consumption of students;

(b) whether it is also a fact that students are encouraged to bring water from their homes, thereby adding to already heavy burden of books/bags; and

(c) if so, the details of the efforts, if any, made by KVS to solve the problem?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPTT OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) No, Sir.

(b) and (c) Adequate arrangements for supply of potable water have been made in Kendriya Vidyalayas.

Damages to railway lines due to heavy rain

3277. SHRI RAHASBIHARI BARIK: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of damages to railway lines due to heavy rain in the Khurdha Road, Railway Division;